यू० पी० बोर्ड अर्द्धवार्षिक परीक्षा
प्रतिदर्श प्रश्नपत्र–2023–24

कक्षा–12

विषय : सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

(खण्ड–क)

प्र0–1 (क) 'राष्ट्र का स्वरूप' निबंध संकलित है– 1

(i) कल्पलता में (ii) कल्पवृक्ष में

(iii) पृथ्वीपुत्र में (iv) माताभूमि में

(ख) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' किस विधा की रचना है? 1

(i) आत्मकथा की (ii) जीवनी की

(iii) संस्मरण की (iv) रिपोर्ताज की

(ग) 'मृगनयनी' उपन्यास के लेखक है– 1

(i) भगवतीचरण वर्मा (ii) वृन्दावनलाल वर्मा

(iii) अमृतराय (iv) जैनेन्द्र कुमार

(घ) 'ब्राह्मण पत्र' के सम्पादक हैं– 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) वृन्दावनलाल वर्मा

(iii) अमृतराय (iv) प्रतापनारायण मिश्र

(ङ) 'शेखरः एक जीवनी' किस विधा की रचना है– 1

(i) कहानी विधा की (ii) जीवनी विधा की

(iii) संस्मरण विधा की (iv) उपन्यास विधा की

प्र0–2 (क) निम्न में से रामधारी सिंह दिनकर की रचना है– 1

(i) परशुराम की प्रतीक्षा (ii) लहर

(iii) युगवाणी (iv) अनघ

Gyansindhu Classes

(ख) छायावाद की विशेषता है– 1

(i) उपदेशात्मक प्रवृत्ति (ii) प्रेम एवं घृणा

(iii) सौन्दर्य एवं प्रेम (iv) श्रृंगार रस का परिपाक

(ग) 'नयी कविता युग की' रचना है– 1

(i) यामा (ii) प्रलय सृजन

(iii) परशुराम की प्रतीक्षा (iv) खुशबू के शिलालेख

(घ) इनमें से किस समय–सीमा को द्विवेदी युग के नाम से जाना जाता है– 1

(i) 1868 से 1900 ई0 तक (ii) 1900 से 1938 ई0 तक

(iii) 1900 से 1922 ई0 तक (iv) 1938 से 1943 ई0 तक

(ङ) पंत को उनकी किस कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था– 1

(i) चिदम्बरा (ii) उर्वशी

(iii) यामा (iv) युगान्त

प्र0–3 दिये गये गद्यांश आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए: 5 × 2=10

जन का प्रवाह अनन्त होता है। सहस्त्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन नये तादात्म्य प्राप्त किया। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती है तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार–चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासीजन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर–अमर हैं। जन का संतत्वाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घातों का निर्माण करना होता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'तादात्म्य' शब्द का अर्थ लिखिए।

(iv) जन का संतत्वाही जीवन कैसा है?

(v) राष्ट्र निवासी जन किसके समान आगे बढ़ने के लिए अजर–अमर है?

Gyansindhu Classes

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत–सभ्यता की परिष्कृत रूचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों–करोड़ो की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामंत उखड़ गए, समाज ढह गए, और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गयी। संतान–कामिनियों को गन्धर्वों से अधिक शक्तिशाली देवताओं का वरदान मिलने लगा–पीरों ने, भूत–भरवों ने, काली–दुर्गा ने यक्षों की इज्जत घटा दी। दुनिया अपने रास्ते चली गई, अशोक पीछे छूट गया।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) विशाल सामंत–सभ्यता कैसे समृद्ध हुई थी?

(iv) 'परिष्कृत'' और 'समृद्ध' शब्द का अर्थ लिखिए।

(v) यक्षों की इज्जत किसने घटा दी?

प्र0–4 दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित पश्नों के उत्तर दीजिए: 5 × 2=10

सूखी जाती मलिन लतिका जो धरा में पड़ी हो
तो पाँवों के निकट उसको श्याम के ला गिराना।।
यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचिता हो
मेरा होना अतिमलिन औ सूखते नित्य जाना ।।

कोई पत्ता नवल तरु का पीत जो हो रहा हो
तो प्यारे के दृग युगल के सामने ला उसे ही ।
धीरे–धीरे सँभल रखना औ उन्हें यों बताना
पीला होना प्रबल दुख से प्रोषिता–सा हमारा ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) उपर्युक्त पद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

(iii) सूखी लता से राधा कृष्ण को क्या संदेश देना चाहती हैं?

Gyansindhu Classes

(iv) राधा पवन से पृथ्वी पर पड़ी हुई लता को क्या करने के लिए कहती हैं?

(v) पीले पत्ते को श्री कृष्ण के सामने लाने से राधा का क्या अभिप्राय है?

अथवा

''कहते आते थे यही अभी नरदेही,
माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही।'
अब कहें सभी यह हाय! विरुद्ध विधाता,
'है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता।'
बस मैंने इसका बाह्य–मात्र ही देखा,
दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा!
युग–युग तक चलती रहे कठोर कहानी–
'रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी'।
निज जन्म जन्म में सुने जीव यह मेरा–
'धिक्कार! उसे था महा स्वार्थ ने घेरा।'

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) उपर्युक्त पद्यांश की रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) कौन–सी कठोर कहानी युगों–युगों तक चलती रहे?

(iv) मनुष्य अब तक क्या कहते आ रहे थे?

(v) प्रस्तुत पद्यांश में कौन पश्चाताप कर रहा है?

प्र0–5 (क) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचन देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए: 3+2=5

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

(i) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) ए0 पी0 जे0 अब्दुल कलाम

(iii) बासुदेव शरण अग्रवाल।

Gyansindhu Classes

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए: 3+2=5

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

(i) मैथिली शरण गुप्त

(ii) सुमित्रानन्दन पंत

(iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'।

प्र0–6 'बहादुर' अथवा 'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 5

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

प्र0–7 स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। (शब्द सीमा अधिकतम–80) 5

(i) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के नायक पर दशरथ का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

(v) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है? उसका चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

Gyansindhu Classes

'आलोकवृत्त' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(vi) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रोपदी का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

(खण्ड–ख)

प्र0–8 (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशें में से किसी एक का संसदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 5+2=7

याज्ञवल्क्य उवाच– न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रों वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्व वै प्रियं भवति।

अथवा

धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानस–पावनी, भव्य भावोद्भविनी, शब्द–संन्दोह–प्रसविनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति। अस्माकं रामायण–महाभारता– द्यैतिहासिकग्रन्थाः, चत्वारो वेदाः, सर्वाः उपनिषदाः, अष्टादशपुराणानि अन्यानि च महाकाव्य– नाटयादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति। इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषा – तत्व विद्भिः। संस्कृतस्य गौरवं बहुविधज्ञानाश्रयत्वं व्यापकत्वं च न कस्यापि दृष्टेरविषयः।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिएः 5+2=7

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती।
तस्या हि मधुरं काव्यं त स्मादापि सुभाषितम्।।

Gyansindhu Classes

अथवा

सुखार्थिनः गुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।

सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी व त्यजेत् सुखम्।

प्र0–9 निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: 2

(i) मान न मान मै तेरा मेहमान।

(ii) गूलर का फूल होना।

(iii) नाक रगड़ना।

(iv) गंगा गये गंगा दास, यमुना गये यमुनादास।

प्र0–10 (क) निम्नलिखित अपठित गद्यांश/पद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 5

मेरा मन कभी–कभी बैठ जाता है। समाचार पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। ऐसा लगता है देश में कोई ईमानदार आदमी रह ही नहीं गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस समय सुखी वही है, जो कुछ है। जो कुछ नहीं करता, जो भी कुछ करेगा, उसमें लोग दोष खोजने लगेंगे। उसके सारे गुण भुला दिये जायेंगे और दोषों को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाया जाने लगेगा। दोष किसमें नहीं होते? यही कारण है कि हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम या बिलकुल ही नहीं। यह चिंता का विषय है।

तिलक और गांधी के सपनों का भारतवर्ष क्या यही है ? विवेकानंद और रामतीर्थ का आध्यात्मिक ऊँचाई वाला भारतवर्ष कहाँ है ? रवींद्रनाथ ठाकुर और मदनमोहन मालवीय का महान, सुसंस्कृत और सभ्य भारतवर्ष पतन के किस गहन गर्त में जा गिरा है? आर्य और द्रविड़, हिंदू और मुसलमान, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलनभूमि 'महामानव समुद्र' क्या सूख ही गया है?

(i) लेखक का मन कभी–कभी बैठ जाता है' का आशय क्या है?

Gyansindhu Classes

(ii) इस समय सुखी कौन है?
(iii) लेखक को क्या लगता है ?
(iv) 'महामानवसमुद्र' किसे कहा गया है?
(v) चिंता का विषय क्या है?

अथवा

हम प्रचंड की नई किरण हैं, हम दिन के आलोक नवल। ।
हम नवीन भारत के सैनिक, धीर, वीर, गंभीर, अचल।
हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्रि के, सुरभि स्वर्ग की लेते हैं।
हम हैं शांति–दूत धरणी के, छाँह सभी को देते हैं।
वीर प्रसू माँ की आँखों के, हम नवीन उजियाले हैं।
गंगा, यमुना, हिंद महासागर के हम ही रखवाले हैं।
तन–मन–धन तुम पर कुर्बान
जियो, जियो जय हिंदुस्तान !

(i) पद्यांश के अनुसार, हम हिंदुस्तान के लिए क्या–क्या हैं ?
(ii) कवि क्या क्या कुर्बान करना चाहता है?
(iii) हिमाद्रि– का क्या अर्थ है?
(iv) कवि स्वर्ग से क्या प्राप्त करता है?
(v) पद्यांश के अनुसार आप किस किस के रखवाले हैं?

प्र0–11 (क) निम्नलिखित शब्द–युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए: 1

(i) सुत – सूत

(A) पुत्र और सारथी
(B) सारथी और पुत्र
(C) वस्त्र और धागा
(D) रूई और धागा

Gyansindhu Classes

(ii) अम्बुधि – अम्बुज 1

(A) बादल और समुद्र

(B) समुद्र और कमल

(C) कमल और समुद्र

(D) जल और कमल

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: 2

(i) शून्य

(ii) गौ

(iii) भारती

(iv) नग

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए:

(i) जो आँखों के सामने न हो– 1

(A) नेत्र सम्मुख

(B) अप्रत्यक्ष

(C) प्रत्येक आँख

(D) प्रत्यक्ष

(ii) 'जीने की इच्छा' रखने वाला 1

(A) जानकार

(B) जिजीविषु

(C) जिज्ञासु

(D) जिजीविषा

(घ) निम्नलिखित में से किन्ही दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: 1+1=2

(i) महादेवी वर्मा एक अच्छी कवित्री है।

(ii) इस थैले में अनेको वस्तुएँ है।

Gyansindhu Classes

(iii) सभा में विद्वान ने भाग लिया है।

(iv) कृपया अवकाश देने की कृपा करें।

प्र0–12 (क) 'हास्य' अथवा 'श्रृंगार रस' का स्थायी भाव के साथ उदारण अथवा परिभाषा लिखिए। 1+1=2

(ख) 'रूपक' अथवा भ्रांतिमान' अलंकार का लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

प्र0–13 बैंक में व्यवसाय हेतु ऋण की माँग करते हुए बैंक प्रबन्धक को आवेदन/प्रार्थना पत्र लिखिए। 2+4=6

अथवा

मोहल्ले में फैली गंदगी की तरफ जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करने के लिए आवेदन पत्र/प्रार्थना पत्र लिखिए।

प्र0–14 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए। 2+7=9

(i) पर्यावरण प्रदूषण

(ii) आतंकवाद: समस्या और समाधान

(iii) मेरा प्रिय कवि

(iv) विज्ञान की देन

*****

Gyansindhu Classes